नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305 इ-मेल: mgahvpro@gmail.com

वेबसाइट : www.hindivishwa.org

कला-विचार आंदोलनों ने रंगमंच को नई दिशा दी- डॉ. प्रवीण भोले

वर्धा दिनांक 23 सितंबर 2015 : विभिन्न कला-विचार आंदोलनों ने रंगमंच को नई दिशा देकर नवाचार को जन्म दिया है। इस आंदोलन ने कलाकार और कला को संपूर्ण बनाने का कार्य किया है। यह विचार सावित्रीबाई फुले विश्वविद्यालय, पुणे के नाट्यकला विभाग के प्रमुख डॉ प्रवीण भोले ने रखे।

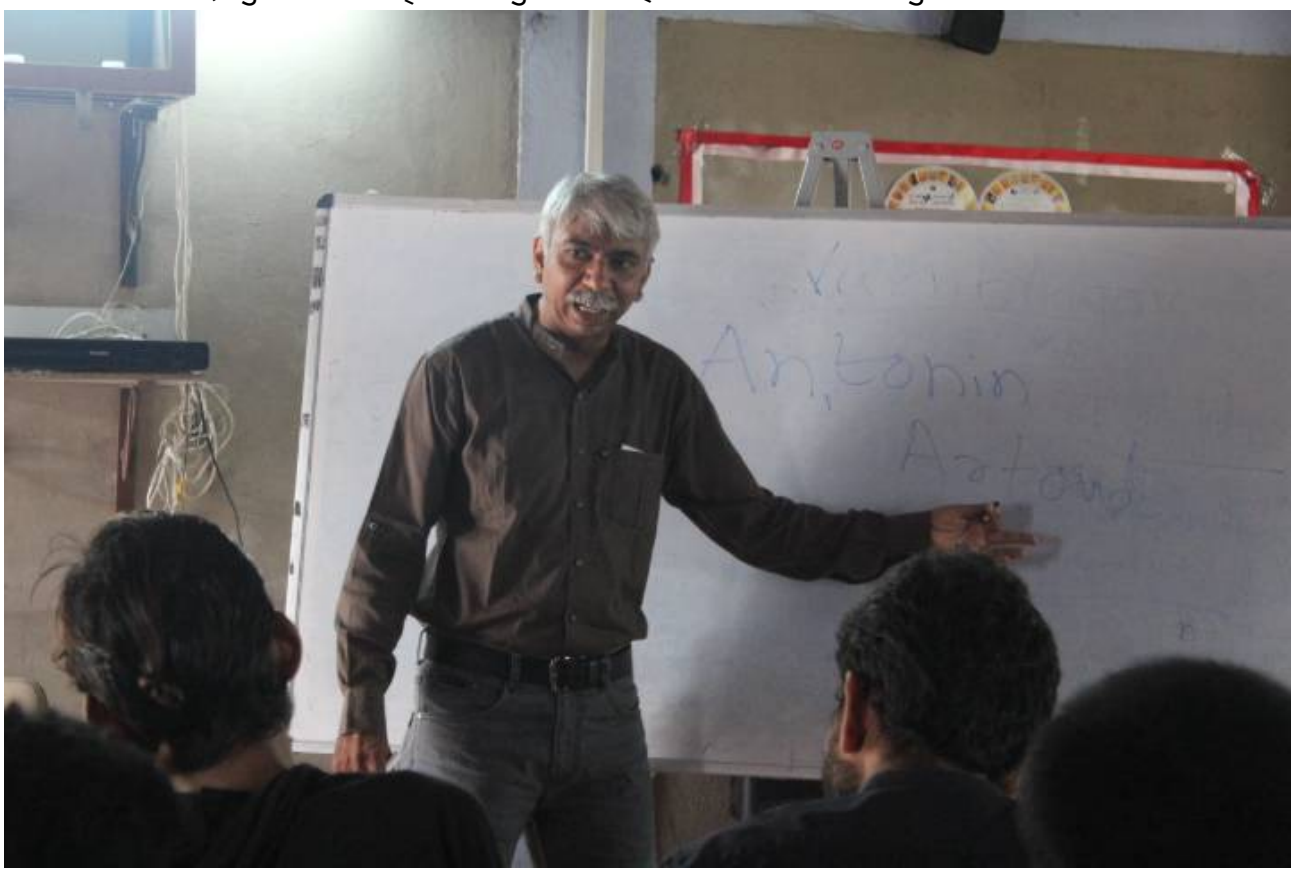

वे महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के प्रदर्शनकारी कला, फिल्म एवं थिएटर विभाग द्वारा 'अभिनय सिध्दांत और शैलियॉं' विषय पर आयोजित कार्यशाला में बतौर मुख्य वक्ता बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि स्तानिस्लाव्हस्की, मेयर होल्ड, ग्रोतोव्हस्की, ब्रेख्त, अंतोनीरत आर्तो, जैसे नाट्यविद कला-विचार आंदोलनों के प्रतीक हैं। इन महानुभावों ने समकालीन परिप्रेक्ष्य में अनुभव और नवाचार के आधार पर अभिनय के नये सिध्दांत रचे, नई शैलियॉं और नई तकनीक को विकसित किया। इन्होंने रंगमंच को नए प्रयोगों से संपन्न किया। उनके अभिनय सिध्दांत और शैलियां रंगमंच को नयी दिशा, नये आयाम दे रही है।

उन्होंने रंगमंच का मूल स्वरुप जानने, समझने और उसके आधार पर विभिन्न प्रयोग करने की सलाह अपने वक्तव्य में दी। कार्यशाला का संयोजन प्रदर्शनकारी कला, फिल्म एवं थिएटर विभाग के

सहायक प्रोफेसर तथा कार्यशाला के प्रभारी डॉ. सतीश पावडे ने किया। विभागाध्यक्ष प्रो. सुरेश शर्मा ने छात्रों में कला दृष्टि और विकसित होने के लिए इस प्रकार की कार्यशालाओं के आयोजन को लाभकारी बताया।